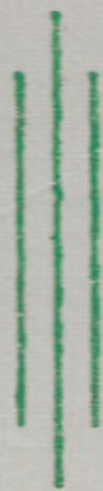


# १०८ उपनिषद्

(सरल हिन्दी भावार्थ सहित)

ज्ञानखण्ड



प्रकाशक

युग निर्माण योजना विस्तार ट्रस्ट

गायत्री तपोभूमि, मथुरा (उ.प्र.)

# १०८ उपनिषद्

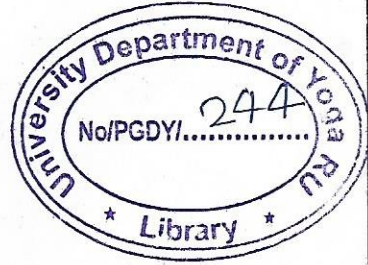
[सरल हिन्दी भावार्थ सहित]

ज्ञानखण्ड

\*

संपादक :

वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पं० श्रीराम शर्मा आचार्य  
भगवती देवी शर्मा



\*

प्रकाशक :

युग निर्माण योजना विस्तार ट्रस्ट

गायत्री तपोभूमि, मथुरा

फोन : (०५६५) २५३०१२८, २५३०३९९

मो. ०९९२७०८६२८७, ०९९२७०८६२८९

फैक्स नं०- २५३०२००

पुनरावृत्ति सन् २०१६

मूल्य : २२० रुपये



## विषयानुक्रमिका

क्र०	विषय	पृष्ठ संख्या से-तक
क.	संकेत विवरण	६
ख.	भूमिका	७-२६
१.	अमृतनादोपनिषद्	२७-३३
२.	ईशावास्योपनिषद्	३४-३७
३.	एकाक्षरोपनिषद्	३८-४०
४.	ऐतरेयोपनिषद्	४१-४९
५.	कठोपनिषद्	५०-६९
६.	केनोपनिषद्	७०-७४
७.	गायत्र्युपनिषद्	७५-८२
८.	छान्दोग्योपनिषद्	८३-१९६
९.	तैत्तिरीयोपनिषद्	१९७-२१३
१०.	नादबिन्दूपनिषद्	२१४-२२१
११.	निरालम्बोपनिषद्	२२२-२२६
१२.	प्रणवोपनिषद्	२२७-२२८
१३.	प्रश्नोपनिषद्	२२९-२४०
१४.	बृहदारण्यकोपनिषद्	२४१-३५७
१५.	मन्त्रिकोपनिषद्	३५८-३६०
१६.	माण्डूक्योपनिषद्	३६१-३६३
१७.	मुण्डकोपनिषद्	३६४-३७४
१८.	मुद्गलोपनिषद्	३७५-३८१
१९.	मैत्रायण्युपनिषद्	३८२-३९७
२०.	शिवसंकल्पोपनिषद्	३९८-३९८
२१.	शुकरहस्योपनिषद्	३९९-४०६
२२.	श्वेताश्वतरोपनिषद्	४०७-४२४
२३.	सर्वसारोपनिषद्	४२५-४२८
२४.	स्कन्दोपनिषद्	४२९-४३०
ग.	परिशिष्ट	
	१. परिभाषा कोश	४३१-४८८
	२. मन्त्रानुक्रमिका	४८९-५१२

## संकेत विवरण

अक्षि० - अक्ष्युपनिषद्	तै०ब्रा० - तैत्तिरीय ब्राह्मण	मुक्ति० - मुक्तिकोपनिषद्
अथर्व० - अथर्ववेद	तै० सं० - तैत्तिरीय संहिता	मुण्ड० - मुण्डकोपनिषद्
अध्या० - अध्यात्मोपनिषद्	त्रि०म० - त्रिपाद्विभूति- महानारायणोपनिषद्	मुद्ग० - मुद्गलोपनिषद्
अ०पू० - अन्नपूर्णापनिषद्	त्रि०ता० - त्रिपुरा तापिन्युपनिषद्	मैत्रा० - मैत्रायण्युपनिषद्
अमृ० - अमृतनादोपनिषद्	दे०भा० - देवी भागवत	मैत्रे० - मैत्रेय्युपनिषद्
अव्य० - अव्यक्तोपनिषद्	द्र० - द्रष्टव्य	मै०ब्रा० - मैत्रायणी ब्राह्मण
अ०शिर० - अथर्वशिरोपनिषद्	ध्या० बि० - ध्यानबिन्दूपनिषद्	यजु० - यजुर्वेद
अष्टा० - अष्टाध्यायी	ना०प० - नारदपरिव्राजकोपनिषद्	या० स्मृ० - याज्ञवल्क्य स्मृति
आत्मो० - आत्मोपनिषद्	ना०पु० - नारदीय पुराण	यो०कु० - योगकुण्डल्युपनिषद्
आ०बो० - आत्मबोधोपनिषद्	ना०बि० - नादबिन्दूपनिषद्	यो० चू० - योगचूडामण्युपनिषद्
आरु० - आरुणिकोपनिषद्	नारा० - नारायणोपनिषद्	यो० त० - योगतत्त्वोपनिषद्
आश्र० - आश्रमोपनिषद्	निरा० - निरालम्बोपनिषद्	यो०द० - योगदर्शन
आ०श्रौ० - आश्वलायन श्रौतसूत्र	निरु० - निरुक्त	यो०शि० - योगशिखोपनिषद्
ईश० - ईशावास्योपनिषद्	नु०उ० - नृसिंहोत्तरतापिन्युपनिषद्	रा०उ० - रामोत्तरतापिन्युपनिषद्
ऋ० - ऋग्वेद	न्या०द० - न्याय दर्शन	रा०मा० - रामचरित मानस
एका० - एकाक्षरोपनिषद्	पंच० - पंचदशी	रा०र० - राम रहस्योपनिषद्
ऐत० - ऐतरेयोपनिषद्	पं० ब्र० - पंच ब्रह्मोपनिषद्	वाच० - वाचस्पत्यम्
ऐ०ब्रा० - ऐतरेय ब्राह्मण	प०प० - परमहंस- परिव्राजकोपनिषद्	वा०रा० - वाल्मीकि रामायण
कठ० - कठोपनिषद्	प०पु० - पद्मपुराण	वि०चू० - विवेक चूडामणि
क०रु० - कठरुद्रोपनिषद्	पैंग० - पैंगलोपनिषद्	वे०परि० - वेदान्त परिभाषा
कलिसं० - कलिसंतरणोपनिषद्	प्रण० - प्रणवोपनिषद्	वे०सा० - वेदान्त सार
काठ०सं० - काठक संहिता	प्रश्र० - प्रश्रोपनिषद्	वै०द० - वैशेषिक दर्शन
का०श्रौ० - कात्यायन श्रौतसूत्र	बह्व० - बह्वचोपनिषद्	शत०ब्रा० - शतपथ ब्राह्मण
कु०सं० - कुमार संभव	बृह० - बृहदारण्यकोपनिषद्	शब्द० - शब्दकल्पद्रुम
कृष्ण० - कृष्णोपनिषद्	ब्र०बि० - ब्रह्मबिन्दूपनिषद्	शां० प० - शांतिपर्व
केन० - केनोपनिषद्	ब्र०वै०पु० - ब्रह्मवैवर्तपुराण	शि०सं० - शिवसंकल्पोपनिषद्
कौ०ब्रा० - कौषीतकि ब्राह्मणोपनिषद्	ब्र०सू० - ब्रह्मसूत्र	शु०र० - शुकरहस्योपनिषद्
गाय० - गायत्र्युपनिषद्	ब्रह्म० - ब्रह्मोपनिषद्	श्वेता० - श्वेताश्वतरोपनिषद्
गी० - श्रीमद्भगवद्गीता	ब्रह्मा०पु० - ब्रह्माण्ड पुराण	षड्०ब्रा० - षड्विंश ब्राह्मण
गो०उ० - गोपालोत्तरतापिन्युपनिषद्	भा० पु० - भागवत पुराण	संन्या० - संन्यासोपनिषद्
गो० ब्रा० - गोपथ ब्राह्मण	मन्त्रि० - मन्त्रिकोपनिषद्	संहि० - संहितोपनिषद्
चा०नी० - चाणक्य नीति	म०स्मृ० - मनु स्मृति	स०सा० - सर्वसारोपनिषद्
छान्दो० - छान्दोग्योपनिषद्	महा० - महाभारत	सां०द० - सांख्यदर्शन
जाबा० - जाबालोपनिषद्	महाना० - महानारायणोपनिषद्	सुं० कां० - सुंदरकांड
जैमि० - जैमिनीयोपनिषद्	महो० - महोपनिषद्	सूर्यो० - सूर्योपनिषद्
जै० ब्रा० - जैमिनीय ब्राह्मण	माण्डू० - माण्डूक्योपनिषद्	स्कं० - स्कंदोपनिषद्
ते०बि० - तेजोबिन्दूपनिषद्	मी० द० - मीमांसा दर्शन	स्कं० पु० - स्कन्दपुराण
तै०आ० - तैत्तिरीय आरण्यक		ह०को० - हलायुध कोश
तैत्ति० - तैत्तिरीयोपनिषद्		ह० प्र० - हठयोग प्रदीपिका